केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनें तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 57 बुधवार 16 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

संदिग्ध खाते से 76 लाख की साइबर ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने ऐक संदिग्ध बैंक खाते के जरिए बड़े पैमाने पर हुई साइबर ठगी का खुलासा किया है। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एफआईआर 13 सितंबर 2026 को शाम 5.56 बजे दर्ज हुई थी। इसकी जांच निरीक्षक भगवान सिंह को सौंपी गई है।

एफआईआर के मुताबिक, साइबर क्राइम थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय नारायण मिश्रा ने संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच की। इसमें वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के चंद्रेश्वरी निवासी आदर्श नारायण गिरी के बैंक खाते की जानकारी जुटाई गई। जांच में पता चला कि इस खाते में कुल 76,52,690 रुपये जमा हुए थे, जबकि 42,38,640 रुपये निकाले गए। इस खाते की जानकारी एफआईयू–इंडिया को 30 नवंबर 2024 को रिपोर्ट की गई थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि इस खाते से जुड़े लेनदेन में अलग–अलग खातों से रकम आई और दूसरे खातों में भेजी गई। एनसीआरपी पोर्टल पर इस खाते से संबंधित 38 शिकायतें मिली हैं। इनमें दो शिकायतें निवेश के नाम पर लोगों से हुई ठगी से जुड़ी हैं।

एफआईआर में पुलिस ने आशंका जताई है कि खाते के संचालन में ऑनलाइन और इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल हुआ। इसके जरिए लोगों से साइबर फ्रॉड किया गया। पुलिस अब खाते में रकम भेजने और पाने वाले अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

कंबाइन से टकराई बाइक, एक मजदूर की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में बालेडीहा गांव के पास सोमवार रात करीब 11 बजे एक हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे खड़ी कंबाइन में पीछे से एक बाइक घुस गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर घायल हो गया। घायल की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, कंबाइन चालक सड़क किनारे मशीन खड़ी कर पेशाब कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक कंबाइन के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही वाल्टरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार राय ने मृतक के शव को जिला अस्पताल की मर्चरी में रखवाया। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक मृतक और घायल की पहचान नहीं हो पाई है।

चैनमैन कृष्णमनी के निधन से शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। चकबन्दी विभाग में चैनमैन के पद पर कार्यरत लगभग 55 वर्षीय कृष्णमनी का सोमवार 14 सितम्बर की सुबह लगभग 11 बजे उनके महरीपुर स्थित घर पर निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार कुंआनो स्थित मूडघाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र संदीप कुमार ने दिया। कृष्णमनी के निधन से शोक की लहर है। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्र, 4 पुत्रियां छोड़ गये हैं।

पीएनबी करेंसी चेस्ट में 17 करोड़ जाली नोट 70 करोड़ रुपये से अधिक के नकली सिक्के

सहारनपुर (आभा)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पीएनबी के करेंसी चेस्ट में 17.29 करोड के जाली नोट मिलने के बाद से बैंकों ने अपने कैश का इंतजाम बदल दिया है। घंटाघर और गंगोह स्थित पीएनबी की करेंसी चेस्ट पर जांच–पड़ताल जारी रहने के बीच बैंक शाखाएं करेंसी चेस्ट से सीधे रकम मिलने की बजाए अब जरूरत पड़ने पर आसपास की दूसरी शाखाओं से नकदी मंगाकर काम चला रही हैं। इससे कैश की उपलब्धता बनाए रखने के लिए शाखाओं के बीच समन्वय बढ़ा है।

सहारनपुर के घंटाघर के सोफिया मार्किट स्थित पीएनबी करेंसी चेस्ट और गंगोह करेंसी चेस्ट पर एनआईए की सक्रियता के बाद नकदी के आवागमन और वितरण को लेकर बैंकिंग क्षेत्र में सतर्कता भी बढ़ी है। करेंसी चेस्ट से जुड़े लेनदेन पर निगरानी के बीच शाखाएं अपनी दैनिक जरूरत का आकलन कर वैकल्पिक इंतजाम कर रही हैं। बैंकिंग सूत्रों के मुताबिक, शाखाओं में रोज बड़ी संख्या में नकदी जमा और निकासी होती है। ग्राहकों को भुगतान में परेशानी न हो, इसके लिए पर्याप्त

कैश रखना जरूरी है। ऐसे में किसी शाखा में नकदी की मांग बढ़ने पर नजदीकी दूसरी शाखा से रकम मंगाई जा रही है।

17.29 करोड़ रुपये की जाली करेंसी के मामले की जांच के बीच अब 70 करोड़ रुपये से अधिक के नकली सिक्कों के खेल ने सहारनपुर को फिर सुर्खियों में ला दिया है। रविवार (13 सितंबर 2026) को तीतरों क्षेत्र में चल रही नकली सिक्कों की फैक्ट्री का खुलासा कर पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह अब तक 70 करोड़ रुपये से अधिक के 20 रुपये के नकली सिक्के बाजार में खपा चुका है। एसएसपी अभिनंदन सिंह ने बताया कि कोतवाली नगर, एसओजी, स्वाट और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार कौशिक के नेतृत्व में कार्रवाई की। मुख्य आरोपी उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह निवासी मोहाली, पंजाब के साथ हिमांशु उर्फ गुल्लू, कुलदीप, संतोष चौरसिया उर्फ जनार्धन और अनुराग पाल उर्फ लंकेश को पकड़ा गया। मौके से 6400 बने नकली सिक्के और करीब पांच लाख रुपये कीमत के अधबने सिक्के बरामद हुए। इनके अलावा छह मशीनें, 59 डाई, आठ मोबाइल, दो कार और सात हिसाब रजिस्टर मिले। पुलिस के अनुसार लूथरा वर्ष 2001 से इस धंधे में सक्रिय है। पहले सुनार का काम करने वाले लूथरा को 2017 में दिल्ली पुलिस ने एक लाख रुपये के इनाम के साथ गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेजा था। जेल में सहारनपुर के एक व्यक्ति समेत अन्य आरोपियों से उसका संपर्क बढ़ा। गिरोह रोज 10 से 12 हजार सिक्के तैयार करता था।

इस गिरोह ने बाजार में चलाने के लिए आठ ग्राम वजन के 20 रुपये के नकली सिक्के तैयार किए थे। पुलिस के अनुसार असली सिक्के का वजन करीब 10 से 12 ग्राम के बीच होता है। नकली सिक्के बनाने की सामग्री के साथ बरामद रजिस्टर और दस्तावेज अब जांच का सबसे महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। उधर, वांछितों की तलाश में पुलिस बिहार तक दबिश दे रही है।

नगर कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने इस गिरोह का राजफाश किया था। पुलिस की कार्रवाई उस समय सामने आई, जब आरोपितों की कार से पशु टकरा गया और जाम के दौरान पुलिस कार हटवाने पहुंची। तलाशी में नकली सिक्कों से जुड़ी सामग्री मिलने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पूछताछ में गिरोह के संगठित तरीके से काम करने के संकेत मिले हैं। पुलिस अब बरामद रजिस्टर में दर्ज नाम, मोबाइल नंबर, रकम और लेनदेन का सत्यापन कर रही है। गिरोह के तीन सदस्य फरार हैं।

युवक की हार्ट अटैक से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बनकटी थाना क्षेत्र के रौता पार गांव में लुधियाना से छुट्टी पर घर आए 43 साल के सुखराम चौधरी की मंगलवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। सुखराम चौधरी स्वर्गीय अयोध्या चौधरी के सबसे बड़े बेटे थे। वह अपने बेटे के साथ लुधियाना की एक धागा मिल में काम करते थे। उनके दो छोटे भाई चिंताराम और राजकुमार हैं। घर पर उनकी 66 वर्षीय मां सुमित्रा देवी रहती हैं, जो किसी तरह अपना जीवन यापन कर रही हैं। सुखराम चौधरी कुछ दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर आए थे।

सुखराम के निधन से परिवार में मातम छा गया है। उनके बच्चे अभी नाबालिग हैं और परिवार में अब कोई कमाने वाला नहीं बचा है। उनके पिता का निधन भी एक साल पहले हो चुका था।

मनरेगा में फर्जी कार्य दिखाकर भुगतान का आरोप, डीएम से जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मनरेगा कार्यों में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। रूधौली विकास खण्ड क्षेत्र के औराडीहा गांव निवासी राजेन्द्र बहादुर ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर ग्राम सभा में बिना कार्य कराए मनरेगा की धनराशि निकाले जाने का आरोप लगाया है।

डीएम को दिये शिकायती पत्र के अनुसार, ग्राम सभा मझौवा कला प्रथम में प्रधान द्वारा कथित रूप से बिना कार्य कराए मनरेगा की धनराशि का भुगतान कराया गया। आरोप है कि औराडीहा गांव के राजाराम के खेत से रामनयन के खेत तक सड़क पटान (सही कराने) तथा राजेन्द्र के खेत से फूलचन्द्र के खेत तक सड़क मरम्मत एवं पटान का कार्य कागजों में दिखाया गया, जबकि मौके पर कोई कार्य नहीं कराया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि फर्जी कार्य दर्शाकर सरकारी धनराशि गलत तरीके से कुछ खास लोगों के खातों में डालकर निकाल ली गई। उन्होंने पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ सड़क के कार्य से संबंधित वीडियो उपलब्ध होने का भी उल्लेख किया गया है। अब देखना होगा कि प्रशासन की जांच में लगाए गए आरोपों की क्या स्थिति सामने आती है।

ज्ञान, विज्ञान के क्षेत्र में विकसित हो रही है हिन्दी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिन्दी दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कमिश्नर कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में आई.टी.आई. मुख्य द्वार के निकट वरिष्ठ साहित्यकार 93 वर्षीय भदसेन सिंह के आवास पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि दुनियां में हिन्दी भाषियों की संख्या लगातार बढ रही है, ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी हिन्दी में पुस्तकें आ रही है, यह हिन्दी के लिये शुभ संकेत है। भारत सहित दुनियां के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढाई जा रही है। अब इस विकास यात्रा के समक्ष देवनागरी लिपि को सहेजने की बड़ी चुनौती है। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के अध्यक्ष बी.एन. शुक्ल और बी.के. मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र आदि ने कहा कि हिन्दी रोजी रोटी की भाषा बन चुकी है और जिन्हें हम गरीब मानते हैं ऐसे लोगों ने हिन्दी को दुनियां भर में सहेजे रखा है। वयोवृद्ध साहित्यकार भद्रसेन सिंह बंधु ने कहा कि हिन्दी की इस विकास यात्रा के पीछे अनेक लोगों का जो योगदान है उसे सहेजे रखना होगा।

गोष्ठी के बाद आयोजित कवि सम्मेलन में डॉ. राजेन्द्र सिंह 'राही' के संयोजन में आयोजित कवि सम्मेलन में डा. अफजल हुसेन अफजल, अनवार हुसेन 'पारसा' अजीत श्रीवास्तव 'राज', पेशकार मिश्र आदि ने कविताओं के माध्यम से हिन्दी की विकास यात्रा को रेखांकित किया। मुख्य रूप से दीनानाथ यादव, गणेश प्रसाद, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, राजेश सिंह, राकेश सिंह, सामईन फारुकी आदि शामिल रहे।

पीपा पुल के पीपों में फंसकर 15 भैंसों की मौत मामले में ग्रामीणों ने प्रशासन से किया मुआवजा दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विक्रमजोत विकास खण्ड के छतौना गांव में सोमवार को एक हादसा हो गया। यहां पीपा पुल के पीपों में फंसकर करीब 15 भैंसों की मौत हो गई। रविवार देर रात तक जब पशु घर नहीं लौटे, तो चरवाहे उन्हें खोजने निकले। सोमवार सुबह पीपा पुल के पास मृत भैंसों को देखकर वे हैरान रह गए। इस घटना से पशुपालक काफी निराश हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12 बजे इस घटना का पता चला। जिन भैंसों की मौत हुई है, उनमें सतायु की दो, लल्लू की दो और राजेंद्र निषाद की दो भैंसें शामिल हैं। बाकी मृत पशुओं के मालिकों की जानकारी पता की जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि पीपा पुल की हालत ठीक नहीं है। देखभाल न होने से पुल के पीपों के बीच पशु फंस गए, जिससे उनकी जान चली गई। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर काफी लोग जमा हो गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीपा पुल की मरम्मत कराने और मृत पशुओं के मालिकों को मुआवजा देने की मांग की है।

घटना की सूचना पर डॉक्टर राम मूरत वर्मा और लेखपाल फकरे आलम मौके पर पहुंचे। डॉक्टर ने बताया कि सभी मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह पता चलेगी।

बदलने लगे कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के तेवर

लखनऊ (आभा)। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं और राजनीतिक दलों ने अपने–अपने दांव आजमाने शुरू कर दिए हैं। इस बीच योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ.संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से मुलाकात की। हालांकि इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है लेकिन इसे और इसके बाद आए डॉ.संजय निषाद के बयान को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। संजय निषाद ने कहा है कि सपा ने दरवाजा बंद किया था तो वह भाजपा के साथ गए थे। यदि भाजपा दरवाजा बंद करेगी तो विचार करेंगे।

डॉ.संजय निषाद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में माता प्रसाद पांडे के साथ तस्वीरें साझा करते हुए एक लाइन में मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि लखनऊ में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ समाजवादी पार्टी नेता माता प्रसाद पाण्डेय से उनके निजी आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उनसे विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की। डॉ.संजय निषाद और माता प्रसाद पांडेय की मुलाकात की जानकारी सामने आते ही उत्तर प्रदेश के सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गरम हो गया। लोग सवाल उठाने लगे कि ये वाकई शिष्टाचार भेंट ही थी या फिर इसके पीछे कोई सियासी मकसद भी है। इस बीच डॉ. संजय निषाद का एक और बयान आया है जिसे यूपी चुनाव से पहले गठबंधन राजनीति में अपना दावा मजबूत करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ.संजय निषाद ने कुछ निजी चैनलों से अलग–अलग बात करते हुए सपा के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर कहा कि जब सपा ने दरवाजा बंद किया था तो वह भाजपा के साथ गए थे। यदि भाजपा दरवाजा बंद करेगी तो विचार करेंगे। हालांकि माता प्रसाद पांडे से मुलाकात के पीछे कोई सियासी मकसद होने से उन्होंने साफ इनकार कर दिया।

4.5 किलोग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया पुलिस ने मंगलवार को 4.5 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ जीतबहादुर सोनकर नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के निर्देश पर चलाए जा रहे रात के चेकिंग अभियान के दौरान हुई। पुलिस टीम ने आरोपी को थानेश्वर मंदिर के पास से पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से 4.5 किलोग्राम गांजा मिला। इस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह, कांस्टेबल शिव यादव और धर्मेंद्र यादव शामिल थे।

गिरफ्तार जीतबहादुर सोनकर बस्ती जिले के हरैया थाना क्षेत्र के खटकाहिया का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, उसका आपराधिक रिकॉर्ड है। उस पर एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट और यूपी गैंगस्टर एक्ट जैसे कई मामले पहले से दर्ज हैं। उसके खिलाफ बस्ती के हरैया थाने और बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट थाने में भी मामले दर्ज हैं। ताजा मामले में पुलिस ने जीतबहादुर सोनकर के खिलाफ मु0अ0सं0 259/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है।

ई–रिक्शा चाभी चोरी के आरोप को लेकर विवादः एसपी से जांच, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कटरा क्षेत्र में ई–रिक्शा की चाभी निकाल लेने के आरोप को लेकर हुए विवाद के मामले में कटरा निवासी गोलू गुप्ता पुत्र स्वर्गीय सुभाष चन्द्र गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना 11 सितंबर 2026 की बताई गई है।

गोलू गुप्ता के अनुसार, वह कटरा क्षेत्र में पान की दुकान चलाते हैं। आरोप है कि 11 सितम्बर की शाम लगभग तीन बजे ई–रिक्शा चालक राजन सोनकर पुत्र लक्ष्मी सोनकर, निवासी ओरीजोत, थाना कोतवाली अपना ई–रिक्शा उनकी दुकान के सामने खड़ा कर गया था। करीब 10 मिनट बाद वापस आने पर राजन सोनकर ने ई–रिक्शा की चाबी चोरी करने का आरोप लगाया। गोलू गुप्ता ने मामले की सच्चाई स्पष्ट करने के लिए सीसीटीवी फुटेज देखने की बात कही। इसी दौरान विवाद बढ़ गया। मोबाइल की दूकान चलाने वाले राधेश्याम गुप्ता ने मौके पर बीच बचाव किया। गोलू गुप्ता ने आरोप लगाया कि राजन सोनकर ने स्वयं को एक हिन्दू संगठन का पदाधिकारी बताते हुए उनसे पूछताछ की तथा विवाद के दौरान धक्का–मुक्की, गाली–गलौज और मारपीट की गई। दुकान का सामान गिरने तथा जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि घटना के बाद राजन सोनकर की ओर से उसके और राधेश्याम गुप्ता के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया, जबकि उनके अनुसार मुकदमा वास्तविक घटना से अलग तथ्यों के आधार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से कराया गया है। शिकायत में घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और वीडियो क्लिप उपलब्ध होने की बात कहते हुए उनकी जांच में शामिल किए जाने की मांग की गई है। प्रार्थना पत्र में कुछ व्यक्तियों द्वारा संगठन के नाम पर दुकानदारों से चंदा या सहयोग मांगने तथा इनकार करने पर दबाव बनाने और मुकदमे में फंसाने की धमकी दिए जाने की भी जांच कराने का अनुरोध किया गया है।

गोलू गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक से 11 सितंबर की घटना की निष्पक्ष एवं उच्चाधिकारी स्तर से जांच, सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों की जांच तथा वास्तविक तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई और पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। एसपी को पत्र देने के दौरान गोलू गुप्ता के साथ विश्व हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष मनोज सिंह, आकाश सोनी, रवीश कुमार ठाकुर, मल्लू गोंड़, रवि मोदनवाल, राजू यादव, रवि, राकेश सिंह आदि शामिल रहे।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान, जन सेवा ही प्रभु सेवा 17 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी, जिला बस्ती के कार्यालय पर मंगलवार को जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा की अध्यक्षता में 'सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा' को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह अभियान सेवा भाव को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय स्तर पर जनकल्याण गतिविधियों को सक्रिय करने का प्रयास है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से मिलकर सेवा कार्य में भाग लेने का आग्रह किया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन (17 सितंबर) के उपलक्ष्य में तथा उनके सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा की उपलब्धियों के स्मरण एवं समर्पण स्वरूप दिनांक 17 सितंबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा' चलाया जाएगा।

अभियान का औपचारिक उद्घाटन 17 सितंबर को मुख्य अतिथि हरीश द्विवेदी, राष्ट्रीय महामंत्री, भाजपा द्वारा किया जाएगा युवा मोर्चा द्वारा पार्टी कार्यालय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।स्थानीय अस्पतालों तथा वृद्ध आश्रमों में फल वितरण एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाएगा।शाम को प्रत्येक बूथ के माध्यम से लाभान्वित परिवारों के आवास पर दीप जलाकर आशीर्वाद प्रेषित किया जाएगा।अन्य जन–सेवा गतिविधियों के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, औषधि वितरण, वृद्धों व जरूरतमंदों की सहायता एवं अन्य सामाजिक कल्याण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में प्रमुख रूप से अमृत कुमार वर्मा, अजय पाल सिंह, दिव्यांशु दुबे, पल्लव श्रीवास्तव, सचिन सिंह, अरविन्द सिंह, प्रदीप चौधरी, गौरव अग्रवाल, अश्वनी श्रीवास्तव, जमुना पांडे, गजेंद्र मणी, हनुमान प्रसाद, आदित्य तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 सितम्बर 2026 बुधवार

सम्पादकीय

क्या खाये क्या पहने का नया दौर

किसी भी क्षेत्र में खान–पान केवल पसंद का सवाल नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, भूगोल, सामाजिक जीवन और परंपरा से जुड़ा हुआ विषय है। इसलिए जब किसी धार्मिक गुरु, प्रतिष्ठान या शासन की ओर से किसी क्षेत्र के लोगों को नसीहत या निर्देश दिया जाता है कि वे किसी खास पर्व या अवसर पर मांसाहार से दूर रहें, तो बहस केवल खान–पान तक सीमित नहीं रहती। सवाल उठता है कि क्या किसी समाज की सदियों पुरानी खानपान की संस्कृति को नियंत्रित करने के लिए इस तरह के निर्देश दिए जा सकते हैं? क्या धार्मिक आस्था के नाम पर किसी क्षेत्र की अपनी परंपरा को दूसरी धार्मिक जीवन–पद्धति के अनुरूप ढालने की कोशिश उचित है? इस सवाल की गूंज इन दिनों पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के अवसर से पहले सुनाई दे रही है। यहां दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का सबसे बड़ा उत्सव भी है।

हाल में एक धार्मिक गुरु ने पश्चिम बंगाल में नवरात्रि और दुर्गा पूजा के दौरान देवी की प्रतिमा के आसपास मांसाहारी भोजन नहीं बेचने का आग्रह किया है। इसके बाद राज्य में तीखी बहस छिड़ गई है। एक हिंदू संगठन की ओर से भी इससे पहले दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास मांसाहारी भोजन को लेकर नसीहत दी गई थी। हालांकि बाद में संगठन ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य लोगों के व्यक्तिगत खान–पान पर प्रतिबंध लगाना नहीं था।

इस बहस को समझने के लिए वर्तमान राजनीति से पीछे जाना होगा। किसी भी क्षेत्र के पारंपरिक भोजन का संबंध उसकी भौगोलिक परिस्थितियों से गहराई से जुड़ा होता है। पश्चिम बंगाल की बात की जाए, तो गंगा–ब्रह्मपुत्र डेल्टा, तालाब और जलाशय इस क्षेत्र में मछली की उपलब्धता का बड़ा स्रोत रहे हैं। वहां मछली केवल रोजमर्रा के भोजन का हिस्सा ही नहीं, बल्कि विवाह, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक अवसरों पर भी उसका प्रतीकात्मक महत्त्व है। इसलिए 'माछ–भात' को बंगाली पहचान से जोड़ना केवल आधुनिक मुहावरा नहीं है।

पश्चिम बंगाल में खान–पान की संस्कृति केवल मछली खाने तक सीमित नहीं है। वहां भोजन को लेकर बहुत विविधता रही है। राज्य में वैष्णव परंपरा की सात्त्विक और शाकाहारी भोजन की भी मजबूत धारा रही है। दूसरी तरफ शाक्त और तांत्रिक परंपराओं में भी मछली एवं मांस का विशेष महत्त्व रहा है। इस कारण बंगाल के धार्मिक जीवन को केवल शाकाहार या मांसाहार के एक खांचे में रखना इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा।

दुर्गा पूजा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वहां देवी को फल, मिठाई और शाकाहारी भोग अर्पित किया जाता है, तो दूसरी तरफ शाक्त परंपरा के ऐसे केंद्र भी रहे हैं, जहां पशुबलि और मांसाहारी भोग का धार्मिक संदर्भ मिलता है। यानी राज्य में देवी की उपासना का एक ही खाद्य–संहिता वाला मॉडल नहीं रहा है। किसी मंदिर या धार्मिक अनुष्ठान में विशेष भोजन की परंपरा का होना यह साबित नहीं करता कि हर भक्त के लिए वही भोजन अनिवार्य है। बंगाल की धार्मिक परंपरा की खूबसूरती इसी सह–अस्तित्व में है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इस जटिलता को समझने का महत्त्वपूर्ण संदर्भ देता है।

उनके जीवन में भोजन को लेकर कठोर साधना और व्यक्तिगत अनुशासन के उदाहरण मिलते हैं। दक्षिणेश्वर में उनके शुरुआती दिनों के विवरण बताते हैं कि भोजन के मामले में वे बेहद सावधान थे और कई बार स्वयं भोजन पकाते थे। मगर रामकृष्ण परमहंस को पश्चिम बंगाल की पूरी खानपान संस्कृति के विरुद्ध खड़ा कर देना भी ऐतिहासिक रूप से सही नहीं होगा।

उनके संवादों में भोजन को आध्यात्मिकता का अकेला पैमाना नहीं माना गया। उनके आध्यात्मिक दृष्टिकोण का मूल केंद्र मन, साधना और ईश्वर के प्रति समर्पण था। रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद के संबंधों में भी भोजन को लेकर एक महत्त्वपूर्ण प्रसंग मिलता है। उपलब्ध विवरण के अनुसार, रामकृष्ण ने स्वामी विवेकानंद के संदर्भ में भोजन की बाहरी शुद्धता से अधिक मन की अवस्था को महत्त्व दिया। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि किसी व्यक्ति का मन ईश्वर में स्थिर है, तो तथाकथित निषिद्ध भोजन भी उसकी आध्यात्मिकता को नष्ट नहीं करता।

स्वामी विवेकानंद के विचार इस बहस को और अधिक स्पष्ट करते हैं। उन्होंने भोजन को लेकर एक संवाद में कहा था कि शरीर और समाज की परिस्थितियों को देखते हुए मांसाहार अपने आप में आध्यात्मिक पतन का प्रमाण नहीं है। उन्होंने उस समय भारत में शक्ति, स्वास्थ्य और सक्रियता की आवश्यकता पर जोर दिया था। इसी संवाद में उन्होंने यह भी कहा कि जब मनुष्य में उच्चतम सात्त्विक अवस्था विकसित होती है, तब मांसाहार की इच्छा स्वाभाविक रूप से समाप्त हो सकती है। यानी विवेकानंद का तर्क दो स्तरों पर था– आहार व्यक्ति की आवश्यकता और अवस्था से जुड़ा विषय है और आध्यात्मिक उन्नति को केवल थाली देखकर तय नहीं किया जा सकता।

उन्होंने अपने लेखन में बंगाल के भोजन का उल्लेख करते हुए चावल, दाल, सब्जियों के साथ मछली और मांस के इस्तेमाल को भी दर्ज किया। उनके मुताबिक, अलग–अलग भारतीय क्षेत्रों की भोजन परंपराएं वहां की स्थानीय परिस्थितियों और उपलब्ध खाद्य पदार्थों से बनी हैं।

यह तथ्य मौजूदा सवाल को समझने में महत्त्वपूर्ण है। यदि भारत की धार्मिक परंपराओं में भोजन को लेकर इतनी विविधता स्वयं मौजूद रही है, तो किसी एक क्षेत्र की भोजन संस्कृति को पूरे देश के लिए धार्मिक मानक बना देना कितना उचित है?

किसी साधु–संत या धार्मिक गुरु की ओर से अपने अनुयायियों को संयम, सात्त्विक या किसी विशेष भोजन से दूर रहने की सलाह दी जा सकती है। कोई व्यक्ति स्वेच्छा से उस सलाह का पालन भी कर सकता है। समस्या तब पैदा होती है, जब व्यक्तिगत या संप्रदायगत आचार–व्यवहार को किसी पूरे समाज के लिए सांस्कृतिक निर्देश की तरह पेश किया जाने लगे।

धर्म का काम आस्था को दिशा देना हो सकता है, लेकिन लोकतांत्रिक समाज में हर नागरिक के खान–पान को लेकर अंतिम निर्णय उसी का होना चाहिए। जब बात किसी क्षेत्र की सदियों पुरानी सांस्कृतिक परंपरा की हो, तब उसके स्थानीय इतिहास और सामाजिक संवेदनशीलता को समझना भी जरूरी है। पश्चिम बंगाल में यह मुद्दा इसलिए भी राजनीतिक रंग ले रहा है, क्योंकि राज्य में धर्म और सांस्कृतिक पहचान पहले से ही चुनावी सियासत के केंद्र में रहे हैं। वर्ष 2026 की दुर्गा पूजा पहली ऐसी बड़ी पूजा है, जब राज्य में भाजपा की सरकार है। ऐसे समय में मछली–मांस केवल भोजन का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि यह इस बड़े राजनीतिक प्रश्न से जुड़ जाता है कि बंगाल की सांस्कृतिक पहचान कैसी होगी और उसे कौन परिभाषित करेगा। किसी भी राज्य या क्षेत्र को यह बताने की जरूरत नहीं कि उसका खान–पान कैसा होना चाहिए। पश्चिम बंगाल की अपनी परंपरा इतनी पुरानी, विविध और समृद्ध है कि वह शाकाहार और मांसाहार दोनों को अपने सामाजिक एवं धार्मिक जीवन में अलग–अलग रूपों में जगह देती रही है। ऐसे में किसी समाज के खान–पान को उसकी आस्था की अंतिम परीक्षा बना देना भारतीय परंपरा की विविधता के दायरे को सीमित करने का प्रयास ही कहलाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

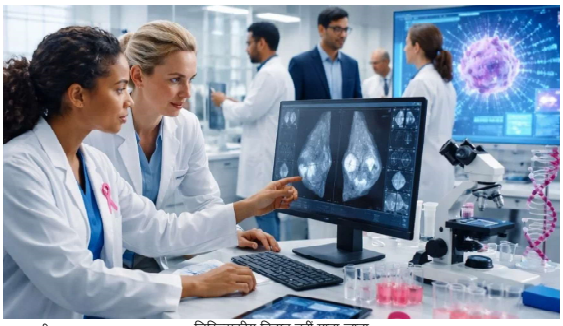

—प्रियंका सौरभ—

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चौटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व–सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चौटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरुआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए।

भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा–तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियां इस अंतर को कम कर सकती हैं। भविष्य में ऐसी सेवाओं को टेली–मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है। व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नींद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व–सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है। लेकिन अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चौटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चौटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक विवेक और वास्तविक सामाजिक संदर्भ को समझने की सीमाएं हैं।

आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चौटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातचीत अत्यंत निजी होती है। व्यक्ति अपनी भावनाएं, पारिवारिक परिस्थितियां संबंध, भय और व्यक्तिगत अनुभव डिजिटल प्रणाली के साथ साझा कर सकता है। ऐसे संवेदनशील डेटा का संग्रह, भंडारण, उपयोग और साझा किया जाना स्पष्ट नियमों तथा मजबूत डेटा सुरक्षा के अधीन होना चाहिए। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण संबंधी व्यवस्था के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य डेटा के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, एआई में मौजूद एल्गोरिदमिक पक्षपात भी चिंता का विषय है। भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, लैंगिक और सामाजिक विविधता इतनी व्यापक है कि एक ही मॉडल सभी समुदायों की मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समान रूप से नहीं समझ सकता। किसी एक भाषा, वर्ग या सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित प्रशिक्षण से तैयार प्रणाली दूसरे समुदाय के लिए अनुपयुक्त सलाह दे सकती है।

इसलिए आगे का रास्ता एआई को रोकना नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के साथ विकसित करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एआई प्रणालियों के लिए स्वतंत्र नैदानिक परीक्षण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट जवाबदेही और संकट–स्थिति में मानव विशेषज्ञ तक पहुंचाने के अनिवार्य प्रोटोकॉल होने चाहिए। उच्च जोखिम वाले मामलों में मानव हस्तक्षेप को वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, डिजाइन के स्तर पर ही गोपनीयता, डेटा न्यूनतमकरण और सुरक्षित उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत में एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहली चौखट को व्यापक बना सकता है। वह उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जो दूरी, खर्च, भाषा या सामाजिक कलंक के कारण चिकित्सक तक नहीं पहुंच पा रहा। लेकिन पहली चौखट और अंतिम मंजिल में अंतर है। मानसिक स्वास्थ्य केवल सूचना या बातचीत का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, नैदानिक समझ और निरंतर देखभाल का क्षेत्र है। इसलिए भविष्य की सही दिशा 'एआई बनाम चिकित्सक' नहीं, बल्कि 'एआई के साथ चिकित्सक' होनी चाहिए। तकनीक पहुंच का विस्तार करे, प्रारंभिक संकेत पहचाने और सहायता की राह आसान बनाएय अंतिम निर्णय और देखभाल में प्रशिक्षित मानव विशेषज्ञ केंद्र में रहें। यही संतुलन भारत में सुरक्षित, सुलभ और मानवीय मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

—ललित गर्ग—

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र–निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह–जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर–संसदीय संघ–आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए "मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं" को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे–धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था– "मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।" गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और अस्त्र के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ "लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।" यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म–सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है–सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति–निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए।

मुद्दों की जगह मीनू पर चर्चा

—डॉ. नीलम महेन्द्रा—

भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के आधिकारिक रात्रिभोज में विदेशी मेहमानों को शाकाहारी भारतीय व्यंजन परोसे गए। खांडवी, मशरूम गलौटी, पनीर लबाबदार, गुच्छी मार्मिक, बाजरे का पुलाव, बीटरूट रायता और पारंपरिक भारतीय मिठाइयों से सजा यह मेन्यू भारत की समृद्ध शाकाहारी पाक–परंपरा का प्रदर्शन था। लेकिन मेहमानों की मेज से उठकर यह मेन्यू सीधे भारतीय राजनीति की मेज पर पहुंच गया।

कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब भारत में अधिकांश लोग मांसाहारी हैं, तो विदेशी मेहमानों के सामने केवल शाकाहारी व्यंजन क्यों परोसे गए। राहुल गांधी की ओर से 80 प्रतिशत भारतीयों के मांसाहारी होने का दावा भी सामने आया और सरकार पर खान–पान की पसंद थोपने का आरोप लगाया गया। अब प्रश्न यह नहीं है कि किसी को शाकाहारी भोजन पसंद है या नहीं।

प्रश्न यह है कि न तो ब्रिक्स का मंच कोई पारिवारिक डिनर का मंच है और न ही राजकीय भोज का उद्देश्य यह साबित करना होता है कि देश के कितने प्रतिशत लोग क्या खाते हैं। यदि भारत किसी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपने श्रेष्ठ शाकाहारी व्यंजनों को दुनिया के सामने रखता है तो इसमें अस्वाभाविक क्या है? क्या किसी देश का सांस्कृतिक परिचय उसके पूरे मेन्यू कार्ड से ही तय होगा?

ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में क्या विपक्ष के पास सरकार से पूछने के लिए इससे बड़ा कोई प्रश्न नहीं था? दुर्भाग्य पूर्ण है कि विपक्ष की नजर में ब्रिक्स की मेज पर असली मुद्दे क्या थे इससे अधिक महत्वपूर्ण खाने का मीनू है? सत्य तो यह है कि ब्रिक्स दुनिया की बदलती आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था में तेजी से महत्वपूर्ण होता हुआ मंच है। इसकी मेज पर व्यापार है, निवेश है, ऊर्जा है, तकनीक है, वित्तीय सहयोग है और बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका है।

वह पूछ सकता था कि भारत ब्रिक्स के माध्यम से अपने आर्थिक हितों को किस तरह आगे बढ़ा रहा है? चीन के साथ व्यापार असंतुलन को लेकर भारत की रणनीति क्या है? ब्रिक्स के विस्तार से भारत की सामरिक स्थिति मजबूत होगी या जटिल? क्या भारत वैश्विक दक्षिण का प्रभावी नेतृत्व कर पा रहा है? स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और डॉलर पर निर्भरता कम करने की चर्चा का भारत के लिए क्या अर्थ है? ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी सहयोग में भारत को क्या अवसर मिल सकते हैं? ब्रिक्स में भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन कैसे साध रहा है? ये वे प्रश्न थे जिन पर सरकार को असहज किया जा सकता था। ये वे प्रश्न थे जिन पर विपक्ष अपनी विदेश नीति की समझ दिखा सकता था। वे प्रश्न थे जिनसे जनता को पता चलता कि विपक्ष सत्ता का गंभीर विकल्प बनने की तैयारी कर रहा है।

लेकिन विपक्ष ने चुना क्या "मेन्यू"!यहीं से यह विवाद केवल भोजन का विवाद नहीं रह जाता। यह राजनीतिक प्राथमिकता का प्रश्न बन जाता है। यह विपक्ष की राजनैतिक प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। क्या एक राजकीय भोज जनगणना होता है? विपक्ष का तर्क है कि भारत में बड़ी संख्या में लोग मांसाहारी हैं। तो क्या राजकीय भोज का मेन्यू जनगणना के आंकड़ों के अनुपात में तय होता है? यदि देश में 70 प्रतिशत लोग किसी विशेष भोजन को पसंद करते हैं तो क्या मेन्यू में 70 प्रतिशत वही भोजन होना चाहिए? यदि किसी राज्य में मांसाहार प्रमुख भोजन है तो क्या हर अंतरराष्ट्रीय भोज में मांसाहार अनिवार्य होनी चाहिए? यदि किसी समुदाय की संख्या कम है तो क्या उसकी खाद्य परंपरा का महत्व भी कम हो जाएगा? यह तर्क जितना आगे जाएगा, उतना ही विचित्र होता जाएगा।

विडंबना है कि आज देश की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां विपक्ष यह भूल गया है कि राजकीय भोज संसद की सीटों का वितरण नहीं है, मेन्यू वोट बैंक नहीं है और प्लेट कोई जनगणना तालिका नहीं है। काश कि विपक्ष यह समझ पाता कि वो सरकार से मेन्यू का हिसाब मांग रहा है, जबकि देश उससे विकल्प का मेन्यू मांग रहा है। क्योंकि खाने के मीनू पर राजनीति विपक्ष की राजनैतिक समझ और प्राथमिकताओं पर प्रश्नचिन्ह लगा है। अत्यंत खेद का विषय है कि कांग्रेस जैसा दल जिसके पास 140 साल की विरासत है वो यह भूल गई है कि लोकतंत्र में विपक्ष की पहचान इस बात से नहीं होती कि वह कितने विवाद पैदा कर सकता है। बल्कि विपक्ष की पहचान इस बात से होती है कि वह सत्ता से कितने बड़े सवाल पूछ सकता है। इसलिए विपक्ष के लिए आवश्यक है कि वह कूटनीति की मेज को चुनावी मंच बनाकर विपक्ष की भूमिका पर ही प्रश्न चिन्ह न लगाए।

थाली में स्वाद रहने दीजिए, राजनीति संसद में कीजिए।

प्रश्न यह है कि न तो ब्रिक्स का मंच कोई पारिवारिक डिनर का मंच है और न ही राजकीय भोज का उद्देश्य यह साबित करना होता है कि देश के कितने प्रतिशत लोग क्या खाते हैं। यदि भारत किसी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपने श्रेष्ठ शाकाहारी व्यंजनों को दुनिया के सामने रखता है, तो इसमें अस्वाभाविक क्या है? क्या किसी देश का सांस्कृतिक परिचय उसके पूरे मेन्यू कार्ड से ही तय होगा?

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष और उनके बेटे को दरवाजे पर मारा चाकू

संवाददाता–देवरिया। मंगलवार की सुबह–सुबह कुछ अज्ञात लोगों ने एक पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष और उनके बेटे को चाकू मारकर लहूलुहान कर दिया। दोनों को आवाज देकर घर के अंदर से बुलाया गया। दरवाजे पर आते ही चाकू से उन पर हमला बोलकर हमलावर फरार हो गए। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पिता–पुत्र लहूलुहान होकर तड़पने लगे। आनन–फानन में उन्हें देवरिया के महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद राजेश कुमार गुप्ता की हालत को गंभीर बताते हुए हॉयर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। दोनों को गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। उधर, पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है।

घटना की सूचना मिलते ही देवरिया के सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी समेत अन्य कई अधिकारियों ने पुलिस फोर्स के साथ मौके का मुआइना किया। अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों से पूछताछ की और घटना के बारे में जानकारी ली। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है। उधर, इस घटना से आसपास के लोगों में दहशत और गुस्से का माहौल है। लोगों का कहना है कि पुलिस को जल्द से जल्द हमलावरों को गिरफ्तार कर सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यह घटना देवरिया शहर की भुजौली कॉलोनी की है। मिली जानकारी जानकारी के अनुसार मूल रूप से भटनी कस्बे के रहने वाले राजेश कुमार गुप्ता पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हैं। वह अपने पूरे परिवार के साथ शहर के भुजौली कालोनी में रहते हैं। आरोप है कि मंगलवार की सुबह–सुबह कुछ लोग उनके दरवाजे पर पहुंचे। लोगों ने आवाज देकर उन्हें घर से अंदर से बुलाया। दरवाजे पर उनके और लोगों के बीच बातचीत हो रही थी। इस दौरान उनमें से एक शख्स ने चाकू निकाल कर उन पर हमला बोल दिया।

पिता के ऊपर चाकू से वार होते देख पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता का बेटा अजय कुमार बीच बचाव करने आया तो हमलावरों ने उस पर भी हमला बोल दिया। पूर्व नगर अध्यक्ष और उनके बेटे को लोगों ने खून से लथपथ तड़पता देखा तो चीख–पुकार मच गई। लोग, पिता–पुत्र को इलाज के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश गुप्ता को बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया।

बताया जा रहा है कि सोमवार को पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता का एक ई रिक्शा ड्राइवर से कुछ विवाद हुआ था। आशंका है कि उसी रंजिश में यह घटना हुई है। शहर कोतवाल शशिभूषण राय ने बताया कि भुजौली कॉलोनी में रंजिश में चाकूबाजी की घटना हुई है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डीएम ने अस्पताल मे मरीजों और तीमारदारों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली

संवाददाता–बहराइच। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे महर्षि बालार्क चिकित्सालय का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मौजूदगी, दवाओं की उपलब्धता, साफ–सफाई और मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। डीएम ने पंजीकरण काउंटर, दवा वितरण केंद्र, ओपीडी, पोषण पुनर्वास केंद्र, इमरजेंसी वार्ड और चिल्ड्रेन वार्ड सहित कई व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधे बात करके भी जानकारी ली। पंजीकरण काउंटर के निरीक्षण में डीएम को बताया गया कि मंगलवार दोपहर तक लगभग 260 मरीजों के पर्चे बनाए जा चुके थे। इस पर उन्होंने तीमारदारों की सुविधा के लिए बैठने की बेंचों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही पर्याप्त रोशनी, पीने के पानी और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को बेहतर करने को कहा, ताकि अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को कोई परेशानी न हो। ओपीडी के निरीक्षण में पता चला कि अस्पताल में हर दिन करीब दो से तीन हजार मरीज इलाज के लिए आते हैं। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के आने को देखते हुए डीएम ने ओपीडी में टोकन व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को लंबे समय तक लाइन में खड़े रहने से राहत मिलनी चाहिए और उनका इलाज व्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जिलाधिकारी पाण्डेय ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसके वर्मा और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. संजय खत्री को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों और तीमारदारों को सरकार द्वारा तय सभी सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाएं मानकों के हिसाब से मिलनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल के सभी वार्डों, कमरों और परिसर में साफ–सफाई का स्तर लगातार बेहतर बनाए रखने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य संबंधित अधिकारी–कर्मचारी मौजूद थे।

जगतजीत इंटर कॉलेज गेट के बाहर कक्षा 10 के छात्र की पिटाई

संवाददाता–श्रावस्ती। जगतजीत इंटर कॉलेज इकौना के गेट के पास मंगलवार को किसी बात को लेकर छात्रों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि कुछ छात्रों ने कक्षा 10 के छात्र शिवाकांत की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, बहराइच जनपद के पयागपुर थाना क्षेत्र के खजुरार निवासी शिवाकांत पुत्र दिनेश कुमार प्रजापति जगतजीत इंटर कॉलेज में कक्षा 10 का छात्र है। मंगलवार को कालेज से बाहर निकलने के बाद वह ११ बजे कॉलेज गेट के पास खड़ा था। इसी दौरान मेरे क्लास के छात्र अल्ताफ पुत्र अज्ञात अपने तीन साथियों के साथ वहां पहुंचे और लात मूका थप्पड व हाथ के चुल्ले से भद्दी भद्दी गाली देकर मारने पीटने लगे। विपक्षियों की मारपीट में छात्र शिवाकान्त खघून से लथपथ हों गया।मारपीट में छात्र के शरीर पर गंभीर चोटें आईं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद छात्रों ने घायल छात्र को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई और छात्र को थाने भेज दिया गया। घटना को लेकर छात्र शिवाकांत पुत्र दिनेश कुमार निवासी खजुरार थाना पयागपुर जनपद बहराइच ने विपक्षी अल्ताफ,रवि, हिमांशु,आकाश के विरुद्ध गाली गलौज, मारपीट, जानमाल धमकी की तहरीर देकर उचित कार्यवाही की मांग किया है।

योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव पात्रों तक पहुंचाएं–प्रभारी मंत्री

संवाददाता–बलरामपुर। प्रदेश के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री और प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा मंगलवार को बलरामपुर के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय धुसाह और आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में करीब 3 बजे तक सेवा संकल्प अभियान, विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बिना भेदभाव और पूरी पारदर्शिता के साथ समय पर पहुंचाया जाए।

मंत्री ने पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय धुसाह में बच्चों से पढ़ाई और सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल पूछे। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों की जानकारी का जायजा लिया। इसके बाद आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। सतीश चंद्र शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। इसके तहत अलग–अलग विकासखंडों में एक सप्ताह तक कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान कराने के साथ पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। पेंशन, राशन, किसान सम्मान निधि और आवास समेत अन्य योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण पर विशेष जोर रहेगा।

गेहूं खरीद में करीब 80 लाख रुपए के गबन से जुड़े मामले पर मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को एमएसपी पर उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने के लिए खरीद कर रही है। खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि एक खरीद केंद्र के संबंध में जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन ने जांच कराई थी। जांच में कमियां मिलने के बाद एफआईआर दर्ज कराई गई और दोषी को जेल भेजा गया। मंत्री ने कहा कि सरकारी योजनाओं और व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हाल में हुए निकाय चुनावों में भाजपा की जीत को लेकर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भाजपा सरकारें बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा रही हैं। उनके मुताबिक, इससे जनता का भाजपा के प्रति भरोसा लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान के चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। मंत्री ने दावा किया कि जहां भी चुनाव होंगे, भाजपा को बड़ी सफलता मिलेगी।

किसान सभा ने महंगाई, किसानों की समस्याओं पर प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश किसान सभा के आह्वान पर मंगलवार को किसानों और आम लोगों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन और धरना दिया गया। यह प्रदर्शन पूरे प्रदेश में किया गया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार हरि प्रसाद को सौंपा।

ज्ञापन में खाद्य और रसोई से जुड़ी जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने की मांग की गई। इसमें चीनी समेत अन्य जरूरी सामानों को तय दरों पर उपलब्ध कराने और खुले बाजार में चीनी का अधिकतम मूल्य 40 रुपये प्रति किलोग्राम तय करने की बात कही गई। किसानों को पर्याप्त डीएपी और यूरिया खाद देने की मांग भी की गई। साथ ही, खाद के साथ दूसरी चीजें जबरन बेचने पर रोक लगाने की भी मांग उठाई गई।

किसान सभा ने जलभराव की समस्या खत्म करने के लिए नालों और नालियों की सफाई कराने की मांग की। इसके साथ ही, पानी निकलने की सही व्यवस्था करने को भी कहा गया। जलभराव से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को 30 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी।

इसके अलावा, अघोषित बिजली कटौती रोकने, बिजली बिलों में गड़बड़ी दूर करने और खराब ट्रांसफार्मरों को समय पर बदलने की मांग की गई। बिना सहमति के बिजली का लोड बढ़ाने की शिकायतों का समाधान करने को भी कहा गया। जिला अस्पताल, सीएचसी और उप स्वास्थ्य केंद्रों पर डेंगू, संचारी रोग और दूसरे बुखार के इलाज, जांच और दवाइयों के साथ पर्याप्त मेडिकल स्टाफ की व्यवस्था कराने की मांग भी की गई। पशुओं का समय पर टीकाकरण कराने को भी कहा गया।

ज्ञापन में आशा–संगिनी, रसोइयों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, खेत मजदूरों, किसानों और दूसरे मजदूरों की समस्याओं को हल करने की मांग की गई। धान की एमएसपी पर खरीद के लिए पर्याप्त सरकारी खरीद केंद्र बनाने, गन्ने का दाम 550 रुपये प्रति क्विंटल करने और आलू किसानों को नुकसान से बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग भी किसान सभा ने उठाई। इसके साथ ही, नगर पंचायत सलेमपुर के वार्ड नंबर सात सुगही में सरकारी चकमार्ग, चकनाली और सार्वजनिक जगहों से तुरंत अतिक्रमण हटाने की मांग की गई। इस प्रदर्शन में बलवीर यादव, गुड्डी देवी, मतिसरी देवी, हरिकृष्ण कुशवाहा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिशा की बैठक में गैरहाजिर दो अधिकारियों का एक दिन का वेतन कटा

संवाददाता–देवरिया। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। यह बैठक मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विकास भवन के गांधी सभागार में हुई। इसकी अध्यक्षता सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने की। बैठक में विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बिना अनुमति बैठक से गैरहाजिर रहने पर पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता (एसई) और एनएचएआई के परियोजना निदेशक (पीडी) का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। डीएम मधुसूदन हुल्गी ने अधिकारियों की गैरहाजिरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जरूरी बैठकों में संबंधित अधिकारियों का मौजूद रहना अनिवार्य है।

बैठक में सलेमपुर सांसद रमाशंकर राजभर सह–अध्यक्ष के तौर पर शामिल हुए। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया, भाटपाररानी विधायक सभाकुंवर और रुद्रपुर विधायक जयप्रकाश निषाद भी मौजूद थे। इनके अलावा कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि विकास कार्यों को समय पर और अच्छी क्वालिटी के साथ पूरा किया जाए। जनता से जुड़े कामों में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विभागों के बीच तालमेल बढ़ाने और अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति पर लगातार नजर रखने को कहा।

उन्होंने जिले में बने शौचालयों का इस्तेमाल करने के लिए लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। साथ ही उनके व्यवहार में बदलाव लाने की बात कही। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विभागीय कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को जरूर बुलाया जाए। गन्ने की खेती में नए तरीकों को बढ़ावा देने के लिए कार्ययोजना बनाने और जनप्रतिनिधियों को जानकारी देने को भी कहा गया। सलेमपुर सांसद रमाशंकर राजभर ने बिजली, स्वास्थ्य और दूसरी जनसुविधाओं से जुड़े मामलों की जानकारी ली। उन्होंने जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का निर्देश दिया।

बैठक में कई योजनाओं की समीक्षा की गई। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क निर्माण, बिजली सप्लाई, जल जीवन मिशन, स्कूलों की बेसिक सुविधाएं, पेंशन और शौचालय शामिल थे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि रुके हुए कामों को प्राथमिकता से पूरा करें और पात्र लोगों तक योजनाओं का फायदा पहुंचाएं।

डीएम मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि दिशा बैठक का मकसद विकास योजनाओं की समीक्षा करना है। साथ ही जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल बनाना भी इसका उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बैठक में दिए गए निर्देशों का समय पर पालन किया जाए।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ पर्यूषण दशलक्षण महापर्व, दस दिनों तक चलेगी आत्मशुद्धि की साधना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि रामनगरी में मंगलवार को भाद्रपद शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर दिगंबर जैन मंदिर में पर्यूषण दशलक्षण महापर्व का कलश यात्रा और रथयात्रा के साथ विधिवत शुभारंभ हो गया। जिनालय परिसर में मंगल कलशों की शोभायात्रा और धार्मिक अनुष्ठानों से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो उठा। अब अगले दस दिनों तक मंदिर परिसर पूजा–विधान, स्वाध्याय, तप, संयम और साधना की आध्यात्मिक आभा से अनुप्राणित रहेगा। श्रद्धालु उत्तम क्षमा से उत्तम ब्रह्मचर्य तक दस धर्मों की आराधना कर आत्मशुद्धि और मोक्षमार्ग की साधना करेंगे।

६ पीठाधिपति रवींद्रकीर्ति स्वामी ने बताया कि पर्यूषण पर्व को दशलक्षण पर्व भी कहा जाता है। जैन दर्शन में इसका मौलिक उद्देश्य आत्मा को कर्मबंधनों से मुक्त कर मोक्ष की दिशा में अग्रसर करना है। दस दिनों की यह साधना वस्तुतरू बाहरी आडंबर से अधिक अंतरूकरण के परिष्कार, आत्मसंयम और धार्मिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का असीम उद्यम है।पर्यूषण दशलक्षण महापर्व में इंद्रध्वज विधान विशेष आकर्षण का केंद्र है। गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता द्वारा रचित इस विधान के माध्यम से प्राचीन जिनपूजा परंपरा को विशिष्ट स्वरूप प्रदान किया गया है। विधान के लेखन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष यहां स्वर्ण जयंती उत्सव भी मनाया जा रहा है।विशाल पंडाल में इंद्रध्वज विधान के लिए 1008 पीठिकाएं स्थापित की गई हैं। 1008 दंपति इंद्र–इंद्राणी के स्वरूप में विराजमान होकर अकृत्रिम देवालयों में विराजित परम मुक्त जिनेंद्र भगवान के प्रतीकों का पूजन करेंगे और ध्वज अर्पित करेंगे।

इंद्रध्वज विधान में 1008 दंपति इंद्र-इंद्राणी के स्वरूप में करेंगे जिनेंद्र भगवान की आराधना, 458 अकृत्रिम जिनालयों की होगी पूजा

जैन पुराकथा में वर्णित 13 महाद्वीपों के 458 अकृत्रिम जिनालयों की इंद्रध्वज विधानपूर्वक आराधना की जाएगी।दशलक्षण पर्व के दौरान श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य और संकल्प के अनुरूप एक बार आहार, अल्पाहार, निराहार सहित विविध तप–साधनाओं का पालन कर रहे हैं और गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता एवं साध्वी चंदनामती माता प्रवचन के माध्यम से दशलक्षण धर्म की महिमा और उसके आध्यात्मिक मर्म को आत्मसात कर रहे हैं।देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों जैन श्रद्धालु इस दस दिवसीय पर्यूषण दशलक्षण महापर्व में सहभागी बन रहे हैं।रामनगरी का जिनालय अगले दस दिनों तक क्षमा, मार्दव, आर्जव और शौच से लेकर सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य की साधना से गूंजेगा। यह पर्व श्रद्धालुओं को आत्मावलोकन, आत्मसंयम और कर्मनिर्जरा के माध्यम से मोक्षमार्ग की ओर बढ़ने का संदेश देगा।

सांसद ने अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश, दिशा बैठक में क्षेत्रीय मुद्दे उठे

संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। इसमें विकास योजनाओं की समीक्षा के साथ क्षेत्रीय मुद्दे भी उठाए गए। मंगलवार को 4रू00 बजे सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक की अध्यक्षता सांसद और समिति अध्यक्ष राम शिरोमणि वर्मा ने की। जनप्रतिनिधियों ने अपने इलाकों की समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। सांसद ने अधिकारियों से साफ कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाए। सांसद ने अधिकारियों से सरकारी योजनाओं का खूब प्रचार करने को कहा। उनका मकसद था कि कोई भी सही व्यक्ति लाभ से छूटे नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना में सत्यापन के बाद ही पात्रों को लाभ देने और अपात्रों को रोकने के निर्देश दिए। सांसद ने नगर निकायों में नियमित सफाई और अतिक्रमण हटाने पर भी जोर दिया। साथ ही सिरसिया और जमुनहा के सीमावर्ती गांवों में सिंचाई सुविधा को प्राथमिकता देने को कहा। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी सांसद ने अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां स्टाफ की कमी है, वहां पत्र लिखकर पद भरने की कार्रवाई की जाए। बैठक में विकास योजनाओं की प्रगति के आंकड़े भी पेश किए गए। बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 66,601 परिवारों का सर्वे हो चुका है। इनमें से 10,794 अपात्र परिवारों को हटाया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 2,29,179 किसानों को लाभ मिला है। आयुष्मान भारत योजना में 1,12,608 परिवारों को कम से कम एक आयुष्मान कार्ड जारी किया जा चुका है।

मनरेगा और आजीविका मिशन के तहत जुलाई से अगस्त तक 1. 50 लाख मानव दिवस बनाए गए। इससे 10,113 परिवारों को लाभ मिला। बैठक में पेंशन, आवास, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, उज्ज्वला और अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने अधिकारियों को सांसद और जनप्रतिनिधियों के निर्देशों का पालन करने को कहा। उन्होंने निर्माणाधीन विकास कार्यों की मौके पर निगरानी कर उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, भिनगा विधायक इन्द्राणी वर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल थे।

बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष की कार में पीछे से अर्टिगा ने मारी ठोकर, कई घायल

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के हाईवे स्थित बाईपास पर मंगलवार की दोपहर तेज रफ्तार आ रही एक अर्टिगा कार चालक ने अनियंत्रित होकर दूसरी कार को पीछे से ठोकर मार दिया। ठोकर इतनी जबरदस्त थी कि अर्टिगा कार पलट गई। कार में सवार आधा दर्जन लोग घायल हो गए। दुर्घटना में अर्टिगा कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं सामने वाली दूसरी कार में सवार बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बाल–बाल बच गए। उनके कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। भुंडी बाईपास और बनैलिया मंदिर फ्लाईओवर के बीच में एक कट होने की वजह से हादसा हुआ बताया जाता है। हाईवे का एक लेन पीएनसी द्वारा बंद किया गया है। दूसरी लेन से ही वाहनों का आवागमन हो रहा है। मंगलवार को भी जब यह हादसा हुआ एक ही लेने में कई वाहन चल रहे थे। तभी एक वाहन चालक कट से दूसरी लेन में जाने लगा और पीछे से आ रही तेज रफ्तार आर्टिगा कार अनियंत्रित हो गई। अर्टिगा ने आगे चल रही बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार की कार से भिड़ गई। दोनों वाहनों की भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि अर्टिगा कार मौके पर ही पलट गई और उसके परखच्चे उड़ गए। कार में सवार सभी यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष की कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। संयोग अच्छा था कि पूर्व जिलाध्यक्ष की कार में सवार लोग बाल–बाल बच गए। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। दोनों कार में सवार लोग सुरक्षित हैं। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

गन्ना भुगतान नहीं हुआ तो भाकियू टिकैत करेगा बड़ा आंदोलन

संवाददाता–बहराइच। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने एक कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों और किसान कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान किसानों की कई समस्याओं को लेकर संगठन ने आवाज उठाई और उनके समाधान की मांग की। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव मलकीत सिंह, जिला अध्यक्ष रामछवि, गुरवंत सिंह, सतनाम सिंह और रशपाल सिंह सहित संगठन के कई पदाधिकारी और किसान मौजूद थे। शेखर राम यादव और महेंद्र वर्मा जैसे अन्य किसान कार्यकर्ता भी इसमें शामिल रहे। इस दौरान वरिष्ठ पदाधिकारियों का सम्मान कर किसानों के हितों की लड़ाई को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

बैठक में क्षेत्र की मुख्य समस्याओं पर बात की गई। इसमें छुट्टा जानवर, खराब और टूटी सड़कें, और बजाज चीनी मिल द्वारा गन्ना किसानों के भुगतान का मुद्दा उठाया गया। किसानों ने बताया कि छुट्टा जानवर उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, खराब सड़कों के कारण ग्रामीणों को आने–जाने में बहुत दिक्कत हो रही है। सबसे जरूरी मुद्दा बजाज चीनी मिल से गन्ना भुगतान का था। किसानों ने कहा कि समय पर भुगतान न मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानी हो रही है। किसान यूनियन ने साफ किया कि किसानों के बकाया भुगतान के लिए अब संघर्ष किया जाएगा।

10 नियुक्तियां: एक बड़ा संकल्प! राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने संगठन विस्तार का बजाया बिगुल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की संगठनात्मक बैठक रविवार को संगठन के उप कार्यालय श्रीकृष्ण गौशाला, लवकुश नगर में हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, पत्रकार हितों की रक्षा और पत्रकारिता की गरिमा को मजबूत करने पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव की सहमति और राष्ट्रीय प्रवक्ता बम–बम यादव के अनुमोदन से राष्ट्रीय महासचिव भानु प्रताप सिंह ने विभिन्न प्रदेश, मंडल और जिला पदों पर नियुक्तियों के प्रस्ताव को स्वीकार किया और विचार–विमर्श के बाद प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित करते हुए 10 पदाधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई।

बैठक में मुवीन खान को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, विवेक सिंह को उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष, अभिषेक सिंह को उत्तर प्रदेश सचिव, आशीष श्रीवास्तव को देवीपाटन मंडल अध्यक्ष, पंकज तिवारी को बलरामपुर जिलाध्यक्ष, अखिलेश श्रीवास्तव को बहराइच जिलाध्यक्ष, त्रिपुरारी मिश्रा को गोंडा जिलाध्यक्ष, जाबेद खान को बस्ती जिलाध्यक्ष, अजेंद्र पांडेय को अयोध्या मंडल सचिव तथा पंकज सनाडय को अयोध्या मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन की नियमावली, उद्देश्यों और अनुशासन के अनुरूप अपने दायित्वों का निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। पत्रकारों के हितों की रक्षा, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा देने के साथ संगठन को प्रदेश और मंडल स्तर तक मजबूत करने का कार्य किया जाएगा।बैठक में कहा गया कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में पत्रकारों की समस्याओं को मजबूती से उठाने और पत्रकार हितों के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जाना आवश्यक है। उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने नियुक्ति प्रस्ताव का समर्थन करते हुए सभी नियुक्तियों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।बैठक में किसी सदस्य ने प्रस्ताव पर आपत्ति नहीं जताई। अंत में नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। "हम सब मिलकर पत्रकारिता को और अधिक सशक्त बनाएंगे" के संकल्प के साथ बैठक संपन्न हुई।

वृद्ध दुकानदार की पीटकर हत्या में दो गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के कुर्की महमूदपुर गांव में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में बांस उखाड़ने का विरोध करने पर दबंगों ने वृद्ध दुकानदार की लाठी–डंडों से पीटकर हत्या कर दी थी। मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। आरोपितों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो डंडे भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है। कुर्की महमूदपुर निवासी रामकिशुन (वृद्ध) शराब के ठेके के पास अपने खेत में सब्जी की खेती करने के साथ स्नैक्स की दुकान चलाते थे। रविवार रात करीब आठ बजे उनकी दुकान पर कुछ लोग बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोगों ने दुकान का बांस उखाड़ना शुरू कर दिया। रामकिशुन ने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने उन्हें लाठी–डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वृद्ध को बचाने के लिए शेखपुरा निवासी बसंत लाल पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान रामकिशुन की मौत हो गई। मामले में मृतक के दत्तक पुत्र आशाराम की तहरीर पर अंश यादव उर्फ डब्बू निवासी खानपुर शाह सुलेमपुर, पवन मौर्य और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया था।

ग्रापए की बैठक में पत्रकारिता के सरोकारों पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता– भानपुर (बस्ती)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन बस्ती के मंडल अध्यक्ष डॉ बलराम त्रिपाठी ने ग्रापए भानपुर तहसील के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। तहसील क्षेत्र के असनहरा में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष ने संगठन को मजबूत बनाने हेतु एक जुटता बनाए रखने की बात कही। उन्होंने संगठन के सदस्यों / संवाददाताओं से निष्पक्ष पत्रकारिता करने पर बल दिया।

बैठक में जिलाध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी ने ग्रामीण क्षेत्रों में निष्ठा व ईमानदारी के साथ पत्रकारिता करने की बात कही। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में क्षेत्रीय समस्याओं व जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से प्रकाशित करने के लिए कहा। जिला मंत्री अनिल पांडेय ने पत्रकारों को मर्यादा में रहकर बगैर किसी भेदभाव के अपने लेखनी का प्रयोग करने की बात कही।

इससे पूर्व मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष व जिला मंत्री का भानपुर में प्रथम आगमन पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन भानपुर की ओर से उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

बैठक की अध्यक्षता ग्रापए के तहसील अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव व संचालन महामंत्री प्रशांत पांडेय ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से रमेश चन्द्र त्रिपाठी, राधेश्याम चौधरी, बजरंगी जायसवाल,अजय पांडेय, शैलेंद्र पाण्डेय, डी के सिंह, विमलेश श्रीवास्तव, अजीत कुमार सिंह, आदित्य रंजन दूबे,अनुपलाल श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

खेत में मोटर जोड़ते समय करंट से युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। केबल बिछाकर मोटर कनेक्ट कर रहा था विनोद, बोर्ड में शॉर्ट सर्किट से हादसा बेलीपार, हिन्दुस्तान संवाद। बेलीपार थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर गांव में मंगलवार सुबह खेत में मोटर कनेक्ट करते समय करंट की चपेट में आने से 35 वर्षीय विनोद मौर्या की मौत हो गई।बैजनाथपुर निवासी विनोद मौर्या पुत्र उमाशंकर मौर्या सुबह करीब 8ब30 बजे खेत में पानी चलाने के लिए केबल बिछाकर मोटर कनेक्ट कर रहे थे। इसी दौरान बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हो गया और वह करंट की चपेट में आकर बोर्ड से चिपक गए। हादसा देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बिजली की सप्लाई बंद की।

परिजन उन्हें आनन–फानन में सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। विनोद शादीशुदा थे और उनके दो बेटियां व एक बेटा है। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

मारपीट के विवाद में तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के कोंनकटी चौराहे पर 13 सितंबर को हुए विवाद और मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को धारा 170 / 126 / 135 ठछै के तहत कोर्ट भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, कोंनकटी चौराहे पर विवाद के बाद मारपीट हुई थी। इस घटना के संबंध में पुलिस ने पहले भी एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अब शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गौरी पाठक निवासी भोलू उर्फ नितेश (पुत्र गोकस उर्फ वंशगोपाल), खोरिया रघुवीर सिंह निवासी धीरज उर्फ विनय (पुत्र संतोष दुबे) और ककरा पोखर निवासी तकरीज अहमद (पुत्र मुमताज) शामिल हैं। ये सभी पथरा बाजार थाना क्षेत्र, सिद्धार्थनगर जिले के रहने वाले हैं।

यह कार्रवाई सिद्धार्थनगर के पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश पर की गई। इसमें अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद का निर्देशन, क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा का पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष पथरा बाजार जनार्दन प्रसाद का नेतृत्व शामिल रहा। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक उदयनाथ मिश्रा और कांस्टेबल प्रेम सागर चौधरी शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने और दोबारा ऐसे विवादों को रोकने का संदेश गया है।

नहर में गिरने से बाल–बाल बची स्कूल बस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह बच्चों को लेकर स्कूल जा रही एक निजी विद्यालय की बस प्राथमिक विद्यालय रेहरा के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार छह–सात छात्रों को हल्की चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। गनीमत रही कि बस नहर में गिरने से बाल–बाल बच गई, वरना हादसा और गंभीर हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 7ब30 बजे एक निजी स्कूलों की बस बच्चों को लेकर स्कूल की ओर जा रही थी। रेहरा गांव के पास प्राथमिक विद्यालय के समीप पहुंचते ही अचानक बस अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई। बस पलटते ही उसमें सवार बच्चों में अफरा–तफरी मच गई।

आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और बच्चों को बस से बाहर निकाला। हादसे में घायल छह–सात छात्रों को उपचार के लिए ले जाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई।

समूह सखियों ने की मानदेय बढ़ाने की मांग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत काम करने वाली समूह सखियों ने मंगलवार को उपायुक्त स्वतः रोजगार को ज्ञापन दिया। उन्होंने मानदेय बढ़ाने समेत कई मांगें पूरी करने की अपील की। समूह सखियों ने बताया कि वे साल 2019 से जिले के सभी ब्लॉकों में लगातार अपनी सेवाएं दे रही हैं। हालांकि, साल 2023 के बाद से उनके मानदेय में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। इस वजह से उन्हें आर्थिक दिक्कतें आ रही हैं। समूह सखियों ने मांग की कि लोकोस का काम ठीक से चलाने के लिए उन्हें स्मार्टफोन, लैपटॉप और हर महीने मोबाइल रिचार्ज की सुविधा मिले। इसके साथ ही, पांच लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, मेडिकल सुरक्षा और छह महीने का मातृत्व अवकाश भी देने की मांग की गई। समूह सखियों ने अपना मासिक मानदेय बढ़ाकर 22 हजार रुपये करने की मांग की। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में काम करने के लिए पहचान पत्र और मानदेय सीधे उनके बैंक खातों में भेजने की भी बात कही। इसके अलावा, जिले की सभी समूह सखियों की सेवाओं को स्थायी करने की मांग भी उठाई गई।

छात्राओं ने दिखाया मार्शल आर्ट का दम, दो दिवसीय प्रतियोगिता शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बहादुरपुर (बस्ती)। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के चौधरी त्रिवेणी राम बालिका इंटर कालेज कलवारी में मंगलवार को दो दिवसीय जनपद एवं मंडल स्तरीय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रतिमा चौधरी के संयोजन में आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न विद्यालयों से पहुंची छात्राएं मार्शल आर्ट की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अजय चौधरी ने किया।

आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि झिनकू लाल त्रिवेणी राम चौधरी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य आज्ञाराम चौधरी व शिक्षक माता प्रसाद त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह में रंग भर दिया। अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता में अनुशासन, खेल भावना और आत्मविश्वास के साथ प्रतिभाग करने का आह्वान किया। बालिका वर्ग में आराध्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सावरीन ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सीनियर वर्ग में खुशी ने प्रथम तथा शिवांगी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बालक वर्ग में अमित प्रथम एवं रोहित द्वितीय स्थान प्राप्त किया,बालिका वर्ग में साराफात्मा, खुशी, सोनी आदि छात्राओं ने भी बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया।

मुख्य अतिथि आज्ञाराम चौधरी ने कहा कि मार्शल आर्ट केवल आत्मरक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे छात्राओं में आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और विपरीत परिस्थितियों से मुकाबला करने की क्षमता भी विकसित होती है। वर्तमान समय में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसी प्रतियोगिताएं उनकी प्रतिभा को निखारने के साथ उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं।

प्रधानाचार्या प्रतिमा चौधरी ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के साथ–साथ खेल और आत्मरक्षा के क्षेत्र में भी सक्षम बनाना है। मार्शल आर्ट छात्राओं को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ मानसिक रूप से भी सशक्त करता है। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली सभी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर जगवंत चौधरी, राजकुमार, लल्लूराम मौर्य, वीना चौधरी, कलावती, कमलावती सहित बड़ी संख्या में शिक्षक–शिक्षिकाएं व विद्यालय की छात्राएं मौजूद रहीं।

सड़क हादसे में नीट छात्र की मौत, अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार भाई–बहन को रौंदा, बहन गंभीर

संवाददाता–संतकबीरनगर। सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। नेदुला चौराहे के पास नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार आयुष यादव की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन आयुषी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका इलाज गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

आयुष लखनऊ में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था और करीब चार दिन पहले ही घर लौटा था। सोमवार रात खाना खाने के बाद वह अपनी बहन के साथ स्कूटी से सेंट थॉमस स्कूल के सामने स्थित अपने प्लॉट की ओर जा रहा था। इसी दौरान नेदुला चौराहे के पास हादसा हो गया। मंगलवार को घटना की जानकारी मिलने पर पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों और परिचितों की भीड़ जुट गई।

धनघटा थाना क्षेत्र के गाई बसंतपुर निवासी आयुष यादव परिवार के साथ खलीलाबाद शहर के बाईपास स्थित किराए के मकान में रहता था। सोमवार रात खाना खाने के बाद वह अपनी बहन आयुषी के साथ स्कूटी से निकला था। दोनों सेंट थॉमस स्कूल के सामने स्थित अपने प्लॉट की ओर जा रहे थे। नेशनल हाईवे पर नेदुला चौराहे के पास पहुंचते ही पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही आयुष सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने आयुष को मृत घोषित कर दिया। वहीं, आयुषी की हालत गंभीर थी। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर गोरखपुर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है।

परिजनों के मुताबिक, आयुष लखनऊ में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। वह करीब चार दिन पहले ही घर आया था। परिवार में वह इकलौता बेटा था। उसकी अचानक मौत की खबर से घर में मातम छा गया।

आयुष के पिता सदानंद यादव उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत हैं और वर्तमान में देवरिया में तैनात हैं। बेटे की मौत की खबर मिलने के बाद परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पर भी परिजनों और परिचितों की भीड़ जमा रही।

पुलिस ने आयुष के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के जरिए टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। वाहन की पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बसपा की कैडर बैठक, 2027 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान

संवाददाता–अयोध्या। जिले के तारुन परसावा महोला में मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी की विधानसभा गोसाईंगंज इकाई की एक दिवसीय कैडर बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने तथा 2027 में बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी प्रदीप भारती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सर्व समाज की पार्टी है और सभी वर्गों के हितों के लिए काम करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और गांव–गांव पहुंचकर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने की अपील की। जिला पंचायत सदस्य हरिश्चंद्र निषाद ने बसपा सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन के बल पर 2027 में पार्टी को सत्ता में लाने का लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। बैठक के दौरान दर्जनों लोगों ने बसपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर रवींद्र भारती, राम प्रकाश पाल, राम नेवल वर्मा, जय प्रकाश भारती समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फंदे से लटका मिला 16 वर्षीय किशोर, मौत

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या जनपद के रुदौली तहसील क्षेत्र में बाबा बाजार थाना क्षेत्र के कसारी गांव में मंगलवार सुबह 16 वर्षीय किशोर का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोर ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। कसारी गांव निवासी पुत्तन (16) पुत्र शिवम कक्षा नौ का छात्र था। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे परिजनों ने उसे घर के अंदर फंदे से लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच–पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि शिवम दो भाइयों में बड़ा था। उसके पिता करीब दो वर्षों से विदेश में रहकर नौकरी करते हैं। घर में उसकी मां और दोनों बेटे रहते थे। परिजनों के अनुसार शिवम परिवार में जिम्मेदार बेटे के रूप में रहता था। सीओ रुदौली अरविंद सोनकर ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला फांसी लगाने का प्रतीत हो रहा है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की स्थिति स्पष्ट होगी।

अतिक्रमण हटाया, 12 हजार जुर्माना वसूला

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम के प्रवर्तन दल ने मंगलवार को अमरूद मंडी से लेकर राजघाट चौराहा तक सड़क के दोनों पटरी के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटवाया। टीम ने दोबारा अतिक्रमण करने पर और सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। टीम ने इस दौरान 12 हजार से अधिक का जुर्माना वसूला। टीम ने मौके से मुर्गे की जाली, लोहे का एंगल, 5 लकड़ी का ठेला, लकड़ी का तख्ता आदि जब्त किया। इस दौरान जोनल अधिकारी तपन मिश्रा, सफाई निरीक्षक राम विजय पाल, सुपरवाइजर शुभम तिवारी, जय हिंद यादव आदि उपस्थित रहे।

रंगरलियां मनाने रैन बसेरा पहुंचे दो युवकः मेल स्कॉर्ट बताकर मांगा किराए पर कमरा, झगड़ा होने पर भागी कार सवार महिला

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके में नगर निगम के रैन बसेरा में एक कार सवार महिला के साथ पहुंचे 2 युवकों ने जमकर बवाल काटा और हंगामा किया। युवक रैन बसेरे में एक कमरा किराए पर मांग रहे थे। इन्कार करने पर हंगामा करने लगे। तभी कई लोगों ने जुटकर एक युवक को पकड़ लिया। जबकि दूसरा युवक और कार सवार महिला हंगामा होते देख भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए युवक ने बताया है कि वह मेल स्कॉर्ट है। दोनों युवकों को एक शादीशुदा महिला ने बुलाया था। महिला के साथ दोनों युवक रैनबसेरे में रंगरलियां मनाने वाले थे। महिला अभी कार में ही बैठी थी। इससे पहले हंगामा हो गया। आरोप है कि दोनों युवकों ने काफी शराब पी रखी थी। रैन बसेरे में ड्यूटी करने वालों को जान से मारने की धमकी भी दी है। इस घटना के बाद पहुंची शाहपुर पुलिस ने एक युवक भटहट के सूरज को पकड़कर पूछताछ की। इसके बाद शांतिभंग में चालान कर दिया। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

शाहपुर इलाके के बशारतपुर में स्थित रैन बसेरा को स्माइल शेल्टर होम बनाया गया है। इसमें मानसिक रूप से बीमार लोग रखे जाते हैं। रैन बसेरे में 6 बड़े हाल समेत 15 कमरे हैं। इस समय यहां 16 मानसिक बीमार लोग रखे गए हैं। स्माईल होम के संचालक कृष्ण पांडेय ने बताया– शाहपुर थाने की पादरी बाजार चौकी पर शिकायत पत्र दिया है। दोनों युवकों ने खुद को मेल स्कॉर्ट बताया था। आरोप लगाया कि एक महिला बाहर कार में बैठी थी। दोनों युवक अंदर शेल्टर होम में अंदर आए। कमरा देने से इन्कार करने पर गालियां देने लगे। जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान आस–पास से भी लोग शोर सुनकर जुट गए। भीड़ देखकर एक युवक और कार सवार महिला अलग–अलग भागे। वहीं एक युवक को भागते समय पकड़ लिया गया।

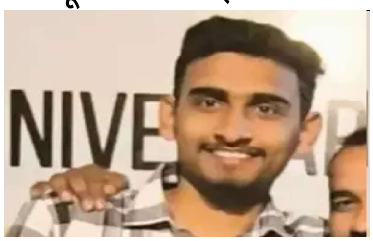

पकड़े युवकों में एक गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट और दूसरा चंडीगढ़ का रहने वाला है। भटहट के युवक को भीड़ ने पकड़कर पुलिस को सूचना दी। पकड़े गए युवक ने बताया कि महिला ने ऑनलाइन संपर्क करके मसाज सर्विस के लिए बुलाया था। यह सुनकर सभी लोगों के होश उड़ गए। थोड़ी देर में पादरी बाजार चौकी की पुलिस वहां पहुंची। संचालक कृष्ण पांडेय ने आरोप लगाया कि पुलिस समय पर नहीं आती तो युवक जानलेवा हमला भी कर सकता था। आरोपी पर सख्त कार्रवाई की मांग की। संचालक कृष्ण पाण्डेय ने कहा कि स्माईल होम बेसहारा और जरूरतमंद लोगों के आश्रय और सेवा के लिए संचालित किया जाता है। किसी भी प्रकार की अनैतिक या अवैध गतिविधि के लिए इसके परिसर का इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा।

शाहपुर थाना प्रभारी अंजेय सिंह ने बताया कि रैन बसेरा से एक युवक को पकड़ा गया है। पूछताछ के बाद शांतिभंग में चालान कर दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसमें महिला के भी होने की बात सामने आ रही है। अभी तक इसके कोई पुख्ता साक्ष्य नहीं मिले हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–D202317140001461
धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी बस्ती जिला–बस्ती
जगदम्बा प्रसाद
बनाम
श्रीमती प्रेमा देवी आदि
मौजा नगराबदली तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

1. श्रीमती प्रेमा देवी पत्नी बुधिराम 2. रामसिंगार पुत्र रामसुन्दर 3. रामतेज पुत्र मेवालाल 4. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र बाबूलाल साकिनान मौजा नगराबदली तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद संख्या 321 / 2023
राजेश उर्फ रामधनी
बनाम
श्रीमती नीलम आदि

1. श्रीमती नीलम पत्नी राम आशीष यादव साकिन मौजा रक्शा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. रामशंकर पुत्र फागू साकिन रैकवार तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–09–2026

हरगाह के आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमे के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
अदालत– श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–202 / 2010
सन्तराम
बनाम
रामदास आदि

5 / 1 / 1 शशि कुमार 5 / 1 / 2 सुनील कुमार पुत्रगण लालमणि साकिन दमयापरसा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–09–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 25 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिए और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com